

Need to amend newly-implemented circular of RBI dated 17th march, 2022 for auditing of Banks

श्री नीरज डांगी (राजस्थान): उपसभापति महोदय, भारतीय रिजर्व बैंक के प्रावधानों के अनुसार, राष्ट्रीयकृत बैंकों में 20 करोड़ से अधिक के एडवांस वाली शाखाओं का शत प्रतिशत ऑडिट एवं 20 करोड़ से कम एडवांस वाली शाखाओं का 20 प्रतिशत ऑडिट रोटेशन वाइज़ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स द्वारा करवाया जाता रहा है। 2020-21 में ऑडिट अलॉटमेंट के समय राष्ट्रीयकृत बैंकों ने कोरोना महामारी का हवाला देते हुए, आरबीआई से उसके मद्देनजर कराई जाने वाली ऑडिट के प्रावधानों के अंदर पैरामीटर्स के बदलाव का आग्रह किया और आरबीआई ने उसे स्वीकार करते हुए, एडवांस को बेस मानते हुए सिर्फ 90 प्रतिशत एडवांसेज़ की ऑडिट करने का नया प्रावधान दिया। इसी प्रकार, एक परिपत्र 17 मार्च, 2022 को जारी किया गया, जिसमें इन एडवांसेज़ के 90 प्रतिशत ऑडिट वाले प्रावधान को घटाकर 80 प्रतिशत कर दिया गया। इस नए प्रावधान से लगभग 50 प्रतिशत बैंक शाखाएं ऑडिट के दायरे से बाहर हो गईं। इस नए प्रावधान से परिस्थितियाँ इस तरह से बन गई हैं, जो कि निश्चित रूप से बैंकिंग सिस्टम और वित्तीय स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं हैं और न ही यह नया प्रावधान जमाकर्ताओं के हित में भी है। वर्तमान परिदृश्य में आए-दिन बैंक घोटाले सामने आ रहे हैं और लगातार वित्तीय अनियमितताओं के चलते हुए प्रतिदिन बैंक लाइसेंस रद्द किए जा रहे हैं। ऐसे में, जमाकर्ताओं की खून-पसीने की गाढ़ी कमाई और बुढ़ापे का सहारा बैंकों में डूब रहा है और आगे भी डूबने के आसार हैं। माननीय उपसभापति महोदय, आपके माध्यम से वित्त मंत्रालय व केंद्र सरकार से निवेदन है, अनुरोध है कि जनहित व राष्ट्रहित में आरबीआई को निर्देशित किया जाए और इन नए प्रावधानों को वापस लेकर, जो पुराना ऑडिट सिस्टम है, उसको रिस्टोर कराया जाए, बहुत-बहुत धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Zero Hour submission made by the hon. Member, Shri Neeraj Dangi: Dr. John Brittas (Kerala), Shri Abir Ranjan Biswas (West Bengal), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Kanakamedala Ravindra Kumar (Andhra Pradesh), Dr. Amar Patnaik (Odisha), Shrimati Phulo Devi Netam (Chhattisgarh), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Sandosh Kumar P. (Kerala), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), Shri M. Mohamed Abdulla Dr. Santanu Sen (West Bengal) and Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala).

Need to initiate a global news organization under Doordarshan

SHRI PABITRA MARGHERITA (Assam): Hon. Deputy Chairman, Sir, as I speak in this august House today, flames of war have been raising in two parts of the world. Millions of people are going through unspeakable sufferings in these wars. Along with human casualties, truth has also become a casualty in these wars.

I have been observing that various global media organizations have been presenting versions of truth which suits them the most. It is true that these conflicts are occurring on far-away shores today. But, I shudder to think what kind of role some of these so-called global media organizations will play if countries like India are drawn into a conflict. Sir, even an organization like the BBC's agenda gets exposed when they unreasonably target a democratically elected world leader on fictitious allegations.

These developments only illustrate that a handful of global media outlets continue to dominate the flow of international news and keep targeting emerging countries like India. We have to change this.

There is a demand, and we have resources in abundant supply. What the world needs today is the truly global media organization that does not push agendas against countries like India. India has an unparalleled pool of talent, engaged in more than one lakh registered newspapers, 400 news channels, and uncountable other media entities. What we need now is to leverage the power of this workforce to create a media outlet that has international presence and acceptance. And, I think, our Prasar Bharti's Doordarshan and Akashvani can be the best answer. As a Member of this august House and as a former journalist, I earnestly request the I&B Ministry for evolving a roadmap to boost up the infrastructure and editorial capabilities, along with global presence of Doordarshan, so that the organization is able to collect and disseminate news from all over the world and to the world.

डिप्टी चेयरमैन सर, भारत एक ऐसा देश है, जिसने कभी भी दूसरे की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश नहीं की। स्ट्रैटेजिक ऑटोनॉमी हमारी कूटनीति की बुनियाद है। पक्षपात करने के बजाय हम राष्ट्रों के बीच सद्भाव लाने का प्रयास करते हैं। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' is our *mantra*. ऐसे में, मैं यह विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि दुनिया को एक सच्चा, बेसिक मीडिया संगठन देने के लिए भारत से बेहतर कोई नहीं है। We have content; we have talent; and, we have technology. अब यह संभव है, क्योंकि मोदी जी हैं, तो मुमकिन है। थैंक यू, सर।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Zero Hour matter raised by the hon. Member, Shri Pabitra Margherita: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. Santanu Sen (West Bengal), Dr. Amar Patnaik (Odisha), Shri Kanakamedala Ravindra Kumar (Andhra Pradesh), Ms. Indu Bala Goswami (Himachal Pradesh), Dr. Sikander Kumar (Himachal Pradesh), Shri Rambhai Harjibhai Mokariya (Gujarat), Dr. Kalpana Saini (Uttarakhand), Dr. Sonal Mansingh (Nominated), Shri Khamakhya Prasad Tasa (Assam), Shrimati S. Phangnon Konyak (Nagaland), Shri Niranjana Bishi (Odisha), Shri Maharaja Sanajaoba Leishemba

(Manipur), Shri Abir Ranjan Biswas (West Bengal), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), and Shri Sujeet Kumar (Odisha).

**Demand to include Chandauli district of Uttar Pradesh under Bansagar
Irrigation project**

श्रीमती दर्शना सिंह (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर प्रदान किया, इसके लिए आपका धन्यवाद।

महोदय, उत्तर प्रदेश का जनपद चंदौली कृषि प्रधान जनपद है, जिसे 'धान का कटोरा' भी कहा जाता है। चंदौली जनपद 'एक जिला, एक उत्पाद', यानी ओडीओपी में काले चावल के लिए चयनित है। भारत सरकार द्वारा चंदौली जिले को आकांक्षी जिले के रूप में चयनित किया गया है, किंतु सिंचाई के उचित प्रबंध न होने के कारण किसानों को धान की रोपाई में गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। महोदय, जनपद चंदौली में सिंचाई हेतु पानी के समुचित प्रबंधन के लिए केंद्र सरकार की बाणसागर परियोजना में चंदौली को शामिल किया जाना किसानों के लिए अति आवश्यक है।

महोदय, चंदौली जनपद में धान की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है। किसानों को सिंचाई हेतु नारायणपुर पम्प कैनाल से पानी की आपूर्ति संभव नहीं है, इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करती हूँ कि केंद्र सरकार की बाणसागर परियोजना द्वारा संचालित नहर को जरगो बाँध से मूसाखाँड़ बांध, नौगढ़ चंदौली से जोड़ दिया जाए तो लतीफ शाह बैराज से कर्मनाशा लिफ्ट नहर के माध्यम से पूरे चंदौली जिले को सिंचित किया जा सकता है, धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Zero Hour matter raised by the hon. Member, Shrimati Darshana Singh: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. Santanu Sen (West Bengal), Shri Maharaja Sanajaoba Leishemba (Manipur), Dr. Sikander Kumar (Himachal Pradesh) and Dr. Amar Patnaik (Odisha).

Rising cases of Sudden Cardiac Arrests (SCAs) among Indian Youth

श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी (महाराष्ट्र): सर, मैं आपकी आभारी हूँ कि आपने मुझे एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलने का मौका दिया है। सर, आज सबेरे ही जब मैं पार्लियामेंट में आने की तैयारी कर रही थी, तो मुझे पता चला कि मेरे परिवार से परिचित एक 36 साल के युवा को क्रिकेट खेलते-खेलते अचानक ही हार्ट अटैक आया तथा उनकी मौत हो गई और आज ही के दिन मुझे यह मुद्दा यहाँ रखने को मिल रहा है, तो मैं आपकी खास आभारी हूँ।

सर, इंडिया में सड्डेन हार्ट अटैक्स के जो राइजिंग केसेज हैं, वह एक चिंता का विषय है और मैं आपके जरिए हेल्थ मिनिस्ट्री से कहना चाहूंगी कि इस पर थोड़ी ज्यादा रिसर्च कर, एक डेटा बनाकर कि जो पोस्ट कोविड कॉम्प्लिकेशंस हो रही हैं, जो मेडिसिंस प्रेस्क्रीब की गई हैं, जो